

[This question Paper contains 2 printed pages.]

**Roll No. :** .....  
**Unique Paper Code:** 121303403  
**Type:** OEC  
**Title of the Paper:** भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण  
Survey of Indian Philosophy  
**Name of the Course:** MA Sanskrit Examination, May 2025  
**Semester:** IV  
**Duration:** 03 HRS  
**Maximum Marks:** 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English**.

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. चार्वाक दर्शन के अनुमानप्रमाण-सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए । 12

Discuss the views of Cārvāka philosophy towards Inference.

**अथवा/ Or**

जैन दर्शन की तत्त्वमीमांसा का विवेचन कीजिए ।

Discuss the ontology of Jaina philosophy.

2. बौद्ध दर्शन के अनुसार अनुमानसिद्धि का विवेचन कीजिए । 12

Discuss the validity of inference according to Bauddha philosophy.

**अथवा/ Or**

शैव दर्शन के अनुसार 'पशु' पदार्थ का निरूपण कीजिए ।

Elucidate the concept of 'Paśu' in accordance to śaiva philosophy.

3. भारतीय दर्शन में प्रतिपादित आत्मा-सिद्धान्त का विवेचन कीजिए । 12

Discuss the concept of Ātmā as propounded in Indian philosophy.

**अथवा/ Or**

भारतीय दर्शन में प्रतिपादित मोक्ष सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the theory of liberation as propounded in Indian philosophy.

4. अद्वैतवेदान्त का ऐतिहासिक सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए । 12

Present a historical survey of Advaita Vedanta philosophy.

**अथवा/ Or**

वैशेषिक दर्शन के आधारभूत सिद्धान्तों एवं उसके ऐतिहासिक विकास को प्रस्तुत कीजिए ।

Elaborate the fundamental principles and historical development of Vaisheshika philosophy.

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में हो: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which **one** should be in Sanskrit:

(क) योगदर्शन में ईश्वर	अथवा/or	सम्यक्चारित्र
(ख) शैवदर्शन में पति	अथवा/or	बौद्ध में भावना चतुष्टय
(ग) सांख्यदर्शन में पुरुष	अथवा/or	जैन मत में सर्वज्ञ
(घ) वाचस्पति मिश्र	अथवा/or	कपिल